

पद २४७

(राग: मुलतानी जिल्हा - ताल: दादरा)

अभी न मिला रे मेरा भला बन्सीवाला ॥ध्रु.॥ जावोरी सखी कोई
मनावो शाम को । उस पियाको उस पियाको दिल से
खुलावो ॥१॥ घडि पल छन जुगसम बीती । मानिक प्रभुजी को
जलदी मिलावो ॥२॥